न्यूज डायरी

यूक्रेन सीमा के पास आज बम बरसाने जा रहा रूस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कीव। यूक्रेन के साथ जंग जैसे माहौल के बीच रूस बेलारूस में अगले 10 दिनों तक जोरदार युद्धाभ्यास शुरू करने जा रहा है। बेलारूस में यह अभ्यास यूक्रेन की सीमा के बेहद पास होने जा रहा है। सुरक्षा विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि रूस और बेलारूस इस अभ्यास के जरिए यूक्रेन और पश्चिमी देशों को यह संदेश देना चाहते हैं कि वे युद्ध को लेकर कितना गंभीर हैं। इस अभ्यास में रूस के 30 हजार सैनिक एस–400 एयर डिफेंस सिस्टम और 12 सुखोई–35 फाइटर जेट तैनात किए गए हैं। रूस ने इस महाभ्यास के लिए मध्य जनवरी महीने में ही अपने सैनिकों को बेलारूस में भेजना शुरू कर दिया था। इस अभ्यास को 'Allied Resolve' नाम दिया गया है। इस अभ्यास के महत्व का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि नाटो के मुताबिक शीत युद्ध के बाद पहली बार इतने बड़े पैमाने पर सैनिक और हथियार रूस ने तैनात किए हैं।

इजरायली हमलों की सीरियाई विदेश मंत्रालय ने की निंदा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) डमस्कस। सीरिया के विदेश मंत्रालय ने कहा कि सीरिया अपने क्षेत्र में इजरायल के हमलों का जवाब देने के लिए सभी कानूनी साधनों का उपयोग कर सकता है। बुधवार को, इजरायली सेना ने कहा कि उसने सीरिया के क्षेत्र से एक विमान भेदी मिसाइल के प्रक्षेपण के जवाब में सीरियाई हवाई रक्षा पर हमला किया। वहीं, सीरियाई सशस्त्र बल कमान का कहना है कि इजरायली हमले में एक सैनिक की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, सीरियाई अरब गणराज्य इजरायल की तरफ से सीरियाई क्षेत्र में किए गए कायरतापूर्ण हमले की निंदा करता है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि इजरायल के हमलों ने अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन किया है। बयान में कहा गया है कि सीरिया का मानना है कि इन हमलों का उन लोगों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा जो उनमें शामिल होते हैं और इन हमलों को प्रोत्साहित करते हैं।

डब्ल्यूएचओ की चेतावनी–अभी खत्म नहीं हुआ कोरोना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली, जेएनएन। देश में कोरोना संक्रमण के मामलों में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। विदेशों में ओमिक्रोन का असर भी कम हो रहा है। इसी बीच, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कोरोना के अगले वैरिएंट को लेकर चेतावनी दी है। कोविड मामलों पर गठित डब्ल्यूएचओ की तकनीकी समूह की प्रमुख मारिया वान केरखोव ने कहा कि कोरोना का अगला वैरिएंट तेजी से फैलेगा। उन्होंने चेताया कि नया वैरिएंट अन्य वैरिएंट के मुकाबले ज्यादा घातक भी होगा। उन्होंने आगे कहा कि नया वैरिएंट ज्यादा संक्रामक होगा। इसमें कोरोना का टीका कम प्रभावी हो सकता है। उधर, डब्ल्यूएचओ ने ओमिक्रोन वैरिएंट के सबवैरिएंट (बीए.2) के विश्वभर में फैलने की आशंका जताई है। मारिया वान केरखोव ने कहा कि बीए.2 सबवैरिएंट ओमिक्रोन के मौजूदा प्रभावी सबवैरिएंट बीए.1 से ज्यादा संक्रामक है।

ब्रिटेन के वैज्ञानिकों ने बनाया नकली सूरज, तोड़े ऊर्जा के सारे विश्व रेकॉर्ड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। ब्रिटेन के वैज्ञानिकों ने नकली सूरज बनाने की दिशा में बड़ी कामयाबी हासिल कर ली है। ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने सूरज की तकनीक पर परमाणु संलयन को अंजाम देने वाले एक रिएक्टर को बनाने में सफलता हासिल कर ली है जिससे अपार ऊर्जा निकलती है। ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी के पास किए गए प्रयोग के दौरान 59 मेगाजूल ऊर्जा इस रिएक्टर से निकली जो दुनिया में अपने आप में रेकॉर्ड है। इतनी मात्रा में ऊर्जा पैदा करने के लिए 14 किलो टीएनटी का इस्तेमाल करना पड़ता है। इस शानदार प्रॉजेक्ट को ज्वाइंट यूरोपीयन टोरुस ने कूल्हाम में अंजाम दिया है। वैज्ञानिकों की इस उपलब्धि को मील का पत्थर करार दिया जा रहा है। इस तकनीक की मदद से सितारों की ऊर्जा का दोहन किया जा सकेगा और धरती पर सस्ती और साफ ऊर्जा मिलने का रास्ता साफ होगा।

इंडोनेशिया भारत से भी ज्यादा खरीद रहा राफेल

तैयारी

इंडोनेशिया के दौरे पर पहुंची फ्रांस की रक्षामंत्री फ्लोरेंस पार्ले ने इस सौदे की पुष्टि की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेरिस। दक्षिण चीन सागर में चीन की दादागिरी से निपटने के लिए इंडोनेशिया फ्रांस से 42 राफेल फाइटर जेट खरीदने जा रहा है। इंडोनेशिया की तैयारी का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता कि वह भारत से भी ज्यादा राफेल जेट फ्रांस से खरीदने जा रहा है। इंडोनेशिया के दौरे पर पहुंचीं फ्रांस की रक्षामंत्री फ्लोरेंस पार्ले ने ट्वीट करके इस सौदे की गुरुवार को पुष्टि की। भारत के बाद अब इंडोनेशिया के महाविनाशक राफेल जेट पर दांव लगाने से चीन की मुश्किलें बढ़ सकती हैं जो नातुना द्वीप पर कब्जा करना चाहता है।

फ्लोरेंस ने ट्वीट करके कहा, यह आधिकारिक है। इंडोनेशिया ने 42 राफेल फाइटर जेट का ऑर्डर दिया है। इस विमान को बनाने वाली कंपनी डसाल्ट एविएशन ने कहा है कि यह समझौता लंबे समय तक चलने वाली साझेदारी की शुरुआत मात्र है। इससे उन्हें इंडोनेशिया में अपनी उपस्थिति बढ़ाने में मदद मिलेगी। फ्रांस और इंडोनेशिया में यह समझौता ऐसे समय पर हुआ है जब वह हिंद–प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ अपने रिश्ते मजबूत करना चाहता है।

सबमरीन भी खरीद सकता है इंडोनेशिया: अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया के बीच ऑकस डील के बाद फ्रांस की हिंद प्रशांत क्षेत्र में रुचि और बढ़ गई है। फ्रांसीसी रक्षा मंत्री ने संकेत दिया कि इंडोनेशिया सबमरीन भी खरीद सकता है। उन्होंने कहा कि रणनीतिक गठजोड़ से दोनों देशों के बीच रक्षा संबंध मजबूत होंगे। बता दें कि लंबे समय से दोनों देशों के बीच राफेल विमानों की ब्रिकी को लेकर बातचीत चल रही थी। अब साउथ चाइना सी में न केवल ड्रैगन के युद्धपोतों बल्कि उसके फाइटर जेट्स के लिए भी खतरा बढ़ जाएगा।

फ्रांस की ला ट्रिब्यून फाइनेंशियल वेबसाइट ने पहले ही इस डील का खुलासा किया था। फ्रांस और इंडोनेशिया के बीच रक्षा संबंधों की पिछले दिनों ही शुरुआत हुई है। राफेल डील के पहले 2019 में इंडोनेशियाई एयरफोर्स के लिए आठ की संख्या में एयरबस हेलीकॉप्टर 225 हेलिकॉप्टर का सौदा हुआ था। निक्केई एशियन रिव्यू के अनुसार, इंडोनेशिया के रक्षा मंत्री पार्बोवो सुबिआंतो की अक्टूबर में पेरिस दौरे के समय इस डील को लेकर बातचीत हुई थी।

दक्षिणी चीन सागर में नातुना द्वीप को लेकर विवाद: चीन और इंडोनेशिया के बीच दक्षिणी चीन सागर में नातुना द्वीप को लेकर विवाद है। सितंबर में ही इंडोनेशिया ने अपने जलीय सीमा में पहुंचे चीन के एक युद्धपोत को खदेड़ दिया था। इसके बाद से चीन ने इंडोनेशिया के चारों ओर घेराबंदी को बढ़ा दिया था। साउथ चाइना सी में चीन से बढ़ते खतरे को देखते हुए इंडोनेशिया लगातार अपनी सेना को मजबूत कर रहा है। इंडोनेशिया ने चीन के जहाज को नातुना द्वीप के पास से खदेड़ा था। यह क्षेत्र इंडोनेशिया के एक्सक्लूसिव इकनॉमी जोन में आता है। इंडोनेशियाई समुद्री सुरक्षा एजेंसी के जहाज चीनी युद्धपोतों और मछुआरों के इस क्षेत्र में लगातार घुसपैठ करने के कारण लगातार गश्त करती रहती हैं।

हिजाब के खिलाफ ईरान की लड़कियों ने कर दी थी क्रांति

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

तेहरान। भारत के कर्नाटक राज्य में मुस्लिम लड़कियों के स्कूलों के अंदर हिजाब पहनने को लेकर विवाद गर्माया हुआ है। इस मुद्दे को पाकिस्तान सरकार और वहां के नेता भी हवा देने में लगे हुए हैं। हिजाब विवाद को लेकर मुस्लिमों को भड़काने की पाकिस्तानी कोशिश पर एआईएमआईएम के नेता और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने करारा जवाब दिया है।

स्कूल–कॉलेज और ऑफिस में हिजाब पहनने का मुद्दा भारत ही बल्कि दुनिया के कई मुस्लिम देशों में विवाद का विषय बना हुआ है। ईरान में तो लड़कियों ने साल 2017 में इसके खिलाफ जैसे क्रांति सी कर दी थी जिसे अयातुल्ला खमनेई की सरकार ने ताकत के बल पर कुचलने का प्रयास किया। ईरान में हिजाब के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की शुरुआत महिला अधिकार कार्यकर्ता मसीह अलीनेजाद ने की थी। इसके बाद हजारों की तादाद में महिलाएं इस आंदोलन में शामिल हुईं। ये महिलाएं हिजाब को अनिवार्य रूप से पहने जाने का विरोध कर रही थीं।

दरअसल, एक ईरानी महिला पहाड़ों पर जा रही थी और ताजी हवा कें झोंकों में उसने हिजाब को हटा दिया। इससे उसके बाल उड़ने लगे।

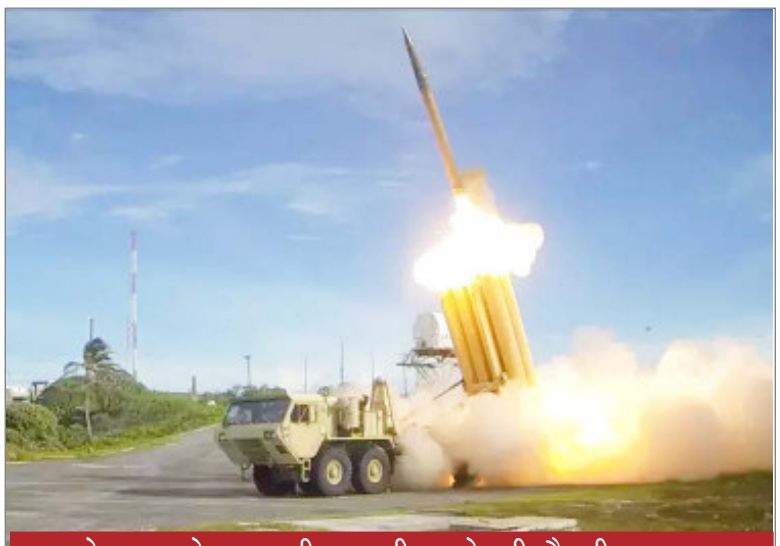

थाड के रडार से रूस की जासूसी करने की तैयारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कीव। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास ने एक राजनयिक सूत्र के हवाले से दावा किया है कि यूक्रेन ने खार्कोव के पास थाड एंटी बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम को तैनात करने का अनुरोध किया है। थाड का एएनध्टीपीवाई–2 रडार रूसी हवाई क्षेत्र के एक बड़े हिस्से पर नजर रखने में सक्षम है। यह रडार यूक्रेन, नाटो और अमेरिका को रूस के 1000 किलोमीटर तक हवाई हलचल की जानकारी देने में सक्षम होगा।

कुवैत में 48 हजार भारतीयों को गंवानी पड़ी नौकरी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

दोहा। कोरोना की मार के बीच खाड़ी देश कतर से भारतीय कामगारों के लिए बुरी खबर है। साल 2021 के पहले 9 महीने में 1,68,000 प्रवासी कामगारों को कुवैत छोड़ना पड़ा है। दुखद बात यह है कि इसमें सबसे ज्ध्यादा भारतीय हैं। जिन लोगों को कुवैत छोड़ना पड़ा है, उनमें प्राइवेट और सरकारी क्षेत्र में 60,400 घरेलू वर्कर और 107,900 प्रवासी कामगार शामिल हैं। इससे कुवैत में कुल घरेलू कामगारों की संख्या में 9 फीसदी की गिरावट आई है।

अल अन्बा अखबार के मुताबिक कुवैत के कुल घरेलू

कुवैत की कुल आबादी में 75 फीसदी प्रवासी

वर्कर्स की संख्या में 9 फीसदी की गिरावट आई है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि 60,400 कामगार लेबर मार्केट से चले गए हैं। इससे सितंबर 2021 में कुल कामगारों की संख्या गिरकर 6,08,230 पहुंच गई। साल 2021 की शुरुआत में कुल कामगारों की संख्या कुवैत में 668,615 थी। जिन कामगारों को कुवैत छोड़ना पड़ा है, उनमें सबसे ज्यादा 48 हजार भारतीय हैं।

इसके साथ ही अब कुवैत में काम करने वाले कुल भारतीयों की संख्ध्या अब 499,400 से घटकर 451,380 पहुंच गई है। अगर इसे प्रतिशत में देखें तो कुवैत में काम करने वाले भारतीयों की संख्या में 10 फीसदी की कमी आई है। वहीं कुवैत में काम करने वाले मिस्र के मजदूरों की संख्या में करीब 5 फीसदी की गिरावट आई है। इसके बाद तीसरे नंबर पर बांग्लादेश के कामगारों का नंबर है। साल 2021 में नेपाल के कामगारों को भी झटका लगा और उनकी संख्या भी 7 हजार घटी है।

इसके अलावा फिलीपीन्स और पाकिस्तान के मजदूरों की संख्या में कमी आई है। एक तरफ विदेशी कामगार जहां कुवैत से जा रहे हैं, वहीं देश के नागरिकों की नौकरी में बढ़ोत्तरी हुई है। कुवैत के 17,511 लोगों को नौकरी मिली है।

महासागरों के आधे से ज्यादा हिस्से पार कर चुके हैं गर्मी की चरम सीमा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। वर्तमान में ग्लोबल वार्मिंग एक बड़ी समस्या है, जिससे पूरा विश्व जूझ रहा है। इसी कड़ी में एक और चिंताजनक बात सामने आई है। विज्ञानियों ने पाया है कि 2014 के बाद से महासागरों की सतह के आधे से अधिक हिस्से ऐतिहासिक गर्मी की चरम सीमा को पार कर चुके हैं। यह अध्ययन पीएलओएस क्लाइमेट जर्नल में प्रकाशित किया गया है। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह बहुत ही चिंता का विषय और खतरे की घंटी है। इससे हमारे महत्वपूर्ण समुद्री पारिस्थितिक तंत्र के ढहने का खतरा बढ़ रहा है, जिसमें मूंगे की चट्टानें, समुद्री घास, केल्प वन (पानी के नीचे का क्षेत्र, जिसमें केल्प का उच्च घनत्व होता है) आते हैं। इनकी संरचनाओं व कार्य में बदलाव आने से और इनको खतरा पहुंचने से इंसानों को भी कई समस्याओं का सामना करना पड़ेगा, जो इन पर निर्भर हैं। शोधकर्ताओं ने समुद्री गर्मी के चरम का एक निश्चित ऐतिहासिक बेंचमार्क निर्धारित करने के लिए महासागरों की सतह के तापमान के 150 वर्षों का अध्ययन किया।